

04/08/2020

रेस्पोन्डेंट संख्या 01 मोहनलाल की ओर से की गई थी पारसमल बराडा उपास्थित। रेस्पोन्डेंट की ओर से बनील भी पारसमल बराडा ने प्रार्थना पत्र आजा की पेजी में ली जाकर पत्रावली रिपोर्ट कृपे हेतु विनियोज किया एवं मौखिक कथन किया कि अपीलेंट ने हाया न्यायालय के समक्ष उक्त अपील प्रस्तुत कर अपीलेंट को अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष विहित मोटिस तामिल न होने का कथन किया है। अपीलेंट द्वारा प्रस्तुत अपील को रेस्पोन्डेंट की सुनवाई हेतु रिवाय किया जाता है। तो इससे रेस्पोन्डेंट से और अपेक्षा नहीं है। अतः पत्रावली सुनवाई हेतु रिपोर्ट फरमाई जावे।

*[Signature]*  
4/8/2020

रेस्पो. के प्रार्थना पत्र पर गौर किया गया प्रकरण के अन्वयेन से यह स्पष्ट है कि अपीलेंट ने हाया न्यायालय के समक्ष उक्त अपील प्रस्तुत कर अधीनस्थ न्यायालय का विनियम अर्थात् किये जाने का विनियोज किया है। रेस्पो. द्वारा भी विनियम अर्थात् उक्त पत्रावली में अपीलेंट को सुनवाई हेतु रिवाय किये जाने का कथन सहमति जात है। अतः न्यायालय में रेस्पो. द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है। अपीलेंट द्वारा प्रस्तुत अपील आंशिक स्वीकार की जाकर उपरोक्त अधिनी संघों द्वारा राख्य प्रार्थना पत्र संख्या 02/2019 बजरबन मोहनलाल बनाम रामलाल आदि में परित आदेश दिनांक 19/03/20 अर्थात् किया जाकर उमयपताराज से निर्दिष्ट किया जाता है कि वे अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष दिनांक 20/08/20 को उपस्थित हों। अधीनस्थ न्यायालय उमयपताराज से संवृत्त सुनवाई का अवसर हेतु पुनः यह सिरे से विधिसम्मत निर्णय पारित है। पत्रावली फेरल सुमाई हेतु बाँट अर्थात् सर्वसही बाखिर उक्त है।

*[Signature]*